Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-212

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2019
B.A. with Yoga Science, (Semester : Second)
Sanskrit (Paper : Second)
संस्कृत–साहित्यम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहसत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीघ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. मुण्डकोपनिषद् के अनुसार ब्रह्म और जीवात्मा के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
2. वल्मीकोदरस्थसर्प–कथा का वर्णन कीजिए।
3. त्रोटक एवं मालिनी छन्द के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।
4. 'नीतिशतकम्' के अनुसार सज्जन और दुर्जन के लक्षणों पर प्रकाश डालिए।
5. विवेकानन्दचरितामृतम् के अनुरूप विवेकानन्द के कार्यों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न/श्लोक एवं गद्य दिए गये हैं। दिये गये प्रश्नों के उत्तर दिए गये निर्देशानुसार दीजिए।

निर्देशः निम्नलिखित श्लोकों में–से किन्हीं तीन श्लोको की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **(3×5=15)**

1. एतस्माज्जायते प्राणो मनः सर्वेन्द्रियाणि च।
   खं वायुर्ज्योतिरापः पृथिवो विश्वस्य धारिणी।।

2. नयमात्मा प्रवचनेन लभ्यो न मेधया न बहुना श्रुतेन।
   यमेवैष वृणुते तेन लभ्यस्तस्यैष आत्मा विवृणुते तनुं स्वाम्।।

3. मित्ररूपा हि रिपवः सम्भाव्यन्ते विचक्षणाः।
   ये हितं वाक्यमुत्सृज्य विपरीतोपसेविनः।।

4. दुर्जनः परिहर्तव्यो विद्ययाऽलङ्कृतोऽपि सन्।
   मणिना भूषितः सर्पः किमसौ न भयङ्करः।।

5. श्रेयसः प्रेयसश्चैव मार्गयोरुभयोरपि।
   यमानां नियमानां च याथार्थ्यं प्रत्यपादयत्।।

6. **निम्नलिखित गद्य का हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए ।** **(1×5=05)**

अस्ति कस्मिंश्चिदधिष्ठाने दरिद्रो द्रोणनामा ब्राह्मणः प्रति-ग्रहधनः, सततं विशिष्टवस्त्रानुलेपनगन्धमाल्यालङ्कारताम्बूलादि-भोगपरिवर्जितः, प्ररूढकेशश्मश्रुनखरोमोपचितः शीतोष्णवातवर्षादिभिः परिशोषितशरीरः। तस्य च केनापि यजमानेनानुकम्पया शिशुगायुगं दत्तम्। ब्राह्मणेन च बालभावादारभ्य याचितधृततैलयवसादिभिः सम्वर्ध्य सुपुष्टं कृतम्।

खण्ड-ग
(अति लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) अति लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×01=10)**

1. पांच तन्त्रों में 'काकोलूकीयम्' किस संख्या का तन्त्र है ?
2. पञ्चतन्त्र के रचयिता कौन हैं?
3. "परस्परस्य मर्माणि ये न रक्षन्ति जन्तवः" - यह पंक्ति किस ग्रन्थ में लिखी गई है ?
4. मुण्डकोपनिषद् में परा और अपरा विद्या को अन्य किन नामों से जाना जाता है ?
5. तृतीय मुण्डक में वृक्ष और उस पर बैठे हुए दो पक्षियों से किन तीन चीजों का वर्णन किया गया है?
6. 'सत्यमेव जयति नानृतम्' यह उक्ति किस ग्रन्थ की है?
7. नीतिशतकम् के रचयिता कौन हैं ?
8. 'मौनान्मूकः प्रवचनपटुः' यह किस कवि की उक्ति है?
9. अनुष्टुप् छन्द में कुल कितने अक्षर होते हैं और कितने अक्षरों पर विराम होता है?
10. विवेकानन्द ने न्यूयार्क मे किस ग्रन्थ का प्रकाशन कराया ?

----------X----------